हरिभूमि
# रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 5 जनवरी 2026

तापमान
अधिकतम 18.5 डिग्री
न्यूनतम 4.2 डिग्री

12 कड़ाके की ठंड ने बढ़ाई ठिठुरन दिनभर...

12 सावित्रीबाई फुले का जीवन संघर्ष, साहस और शिक्षा...

## खबर संक्षेप

रेवाड़ी। सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा का जन्मदिन मनाते कांग्रेस के कार्यकर्ता।

### कांग्रेसियों ने मनाया सांसद का जन्मदिन

**कोसली।** युवा कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष संजय यादव बहाला के नेतृत्व में कोसली हल्के के कांग्रेसियों ने दीपेंद्र हुड्डा का जन्मदिन दिल्ली में केक काट मनाया। कार्यकतार्ओं सांसद के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सांसद प्रदेश के युवाओं के आदर्श हैं व हरियाणा के युवाओं, महिलाओं, गरीबों व बेरोजगारों की आवाज को बुलंद करते हैं। इस अवसर पर ओमप्रकाश डाबला, रामौतार गुर्जर, सरपंच श्योराज सिंह उपस्थित थे।

रेवाड़ी। क्रिकेट प्रतियोगिता के शुभारंभ पर मौजूद अतिथि। फोटो : हरिभूमि

### खेलों से जीवन में आता है अनुशासन : मनोज

**कुंड।** जिला प्रमुख मनोज यादव ने कहा कि खेलों का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। खेलों से युवा अपना भविष्य बना सकते है। खेलों से मनुष्य के जीवन में अनुशासन की भावना भी पैदा होती है। जिला प्रमुख रविवार को गांव पाड़ला में क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन समारोह में युवओं को प्रोत्साहित कर रहे थे। इस मौके पर समाजसेवी अनिल रायपुर ने टीमों को शुभकामनाएं देते हुए खेल को खेल भावना से खेलने की अपील की।

रेवाड़ी। रोहड़ाई थाने में सुरक्षा को लेकर बैठक लेते एसएचओ।

### सीसीटीवी दुरूस्त रखें दुकानदार : थाना प्रभारी

**रेवाड़ी।** रोहड़ाई थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विद्या सागर ने क्षेत्र के सभी स्वर्ण व्यापारियों व दुकानदारों के साथ सुरक्षा सबंधी बैठक करके आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सर्दी के मौसम में बढ़ती चोरी वारदातों देखते हुए सभी दुकानदारों को अपने-अपने प्रतिष्ठानों में उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने, रात के समय चौकीदार तैनात करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने के निर्देश दिए।

### पति पर दहेज प्रताड़ना में मुकदमा दर्ज

**कोसली।** क्षेत्र की भोगल बस्ती निवासी विवाहिता ने महेंद्रगढ़ जिले के गुवाणी गांव निवासी अपने पति पर दहेज प्रताड़ना, मारपीट व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में कोसली थाने में मामला दर्ज कराया है। विवाहिता बबली ने पुलिस को बताया कि उसका विवाह पांच वर्ष पूर्व गुवाणी गांव के शमशेर सिंह से हुआ था। विवाह के बाद से ही उसके पति व ससुराल वालों ने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी थी।

### मोबाइल वैन नशा मुक्ति को लेकर करेगी जागरूक

**रेवाड़ी।** जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के सदस्य सचिव जगदीप सिंह के निर्देशानुसार व मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव अमित वर्मा के मार्गदर्शन में एडीआर सेंटर से एक मोबाइल वैन को आम जनता को बाल विवाह, नशा मुक्ति, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के लिए रवाना किया गया।

---

### सुधारने और रखरखाव के नाम पर प्रति वर्ष लाखों रुपये किए जाते हैं खर्च

# पब्लिक टॉयलेट्स की दशा सुधरने में अभी और इंतजार, टेंडर का नहीं मिला अप्रूवल

- **शहर में अभी 22 सार्वजनिक शौचालय और 11 यूरिनल हैं**
- **पांच जगह मोबाइल टॉयलेट रखे गए थे जो खराब हो चुके हैं**

नगर परिषद की ओर से दिसंबर 2024 में 44 लाख 62 हजार रुपये की लागत से 22 शौचालयों और 7 यूरिनल स्पॉट की मरम्मत कराने के लिए टेंडर जारी किया गया था, लेकिन कार्य में खानापूर्ति की गई। शौचालयों की दशा में सुधार नहीं हुआ

हेमंत शर्मा ▶▶| रेवाड़ी

शहर के सार्वजनिक शौचालयों की दयनीय हालत लोगों के लिए परेशानी बनी हुई है। लंबे समय से दुर्दशा के शिकार इन पब्लिक टॉयलेटों को सुधार होने का इंतजार है। हालांकि नगर परिषद की ओर से शौचालयों के सुधारीकरण को लेकर टेंडर आमंत्रित किए गए थे, जिसमें फर्म ने करीब 40 लाख रुपये के अनुरूप टेंडर लगाए, लेकिन निदेशालय से अप्रूवल नहीं मिलने के कारण अभी शौचालयों के मेंटेनेंस कार्य शुरू होने पर विराम लगा हुआ है।

नगर परिषद अधिकारियों के अनुसार पब्लिक टॉयलेट के मेंटेनेंस के टेंडर होने के बाद ही कार्य शुरू होगा। शहर में अभी 22 सार्वजनिक शौचालय और 11 यूरिनल हैं। प्रति वर्ष इनके रखरखाव और साफ-सफाई के लिए ठेका दिया जाता है। लंबे समय से इन शौचालयों की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। शौचालयों में हमेशा जगह-जगह गंदगी, दुर्गंध और पानी की किल्लत जैसी समस्याओं बनी रहती है। शहर के कई शौचालयों में टंकियां, सीट व वार्शवेशन टूटे हुए है, वहीं नल और फ्लश भी खराब स्थिति में है। कुछ स्थानों पर तो शौचालयों का उपयोग करना नागरिकों के लिए असंभव हो गया है। शहर में पांच स्थानों पर मोबाइल टॉयलेट रखे गए थे जोकि अब पूरी तरह से खराब हो चुके हैं।

रेवाड़ी। महाराणा प्रताप चौक के पास जर्जर हालत में सार्वजनिक शौचालय और टॉयलेट में टूटी पड़ी स्टेन व वॉशवेशन। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। पब्लिक टॉयलेट के पास जमा गंदगी। फोटो : हरिभूमि

#### शौचालयों पर प्रति वर्ष होते लाखों खर्च

नगर परिषद की ओर से शहर में स्थित शौचालयों की दशा सुधारने और रखरखाव के नाम पर प्रति वर्ष लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं। महाराणा प्रताप चौक, गोकल गेट, बारा हजारी, नाईवाली चौक, सती कॉलोनी, रेलवे रोड और रेलवे रोड सहित कई जगह शौचालयों में गंदगी का आलम छाया हुआ है। शौचालयों की दशा सुधारने में हर बार खानापूर्ति की जाती है। इनमें से कई शौचालय जर्जर हालत में आ चुके है। शौचालयों में हमेशा जगह-जगह गंदगी, दुर्गंध और पानी की किल्लत जैसी समस्याओं बनी रहती है।

#### शहर में बनेंगे आधुनिक शौचालय

नगर परिषद की ओर से शहर में 30.66 लाख रुपये की लागत से आधुनिक सुविधाओं से युक्त दो एस्पिरेशनल शौचालय का निर्माण कराने की तैयारी चल रही है। इसके लिए राव तुलाराम पार्क और सिविल अस्पताल के पास स्थान चयनित किया गया है। वहीं बावल में भी आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक एस्पिरेशनल शौचालय का निर्माण कराने का निर्णय लिया गया है, जिस पर 14.32 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

#### टेंडर होने पर कार्य शुरू हो जाएगा : एक्सईएन

शहर के सभी सार्वजनिक शौचालयों के मेटेंनेंस के लिए टेंडर लगाए गए है, लेकिन अभी अप्रूवल नहीं मिलने के कारण कार्य शुरू नहीं हुआ है। जल्द ही टेंडर होने पर कार्य शुरू हो जाएगा। नागरिकों को पब्लिक टॉयलेट में पूरी सुविधाएं दी जाएंगी। इसके अलावा आधुनिक शौचालयों का भी निर्माण कराया जा रहा है। **अंकित वशिष्ठ, एक्सईएन नगर परिषद।**

---

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में चोरी का आरोपी। फोटो : हरिभूमि

## कंपनी से चोरी में पांचवां आरोपी भी गिरफ्तार

- गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान जिला हिसार के गांव कल्लर भैणी निवासी राजू उर्फभजनलाल के रूप में हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कसोला

गढी बोलनी चौकी पुलिस ने कंपनी से सामान चोरी करने के मामले में एक और आरोपी को अदालत से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान जिला हिसार के गांव कल्लर भैणी निवासी राजू उर्फभजनलाल के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में चार आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। मूलरुप से यूपी के मथुरा के मोती कुंज हाल आबाद अंतरिक्ष टावर बीएमजी सिटी निवासी अर्पित सेठ ने अपनी शिकायत में बताया था कि वह पोलीकैब इंडिया लिमिटेड कंपनी में क्वालिटी मैनेजर कार्यरत है। गत 9 मार्च को सुबह के समय कंपनी के सिक्योरिटी हैड पवन कुमार ने उनको सूचना दी कि कंपनी में चोरी हो गई जो है। जब उसने मौके पर जाकर देखा तो कंपनी की पिछली दिवार का कुछ हिस्सा टूटा हुआ था। चोर दिवार तोड़कर कंपनी में घुसकर सामान चोरी करके ले गए। कंपनी से 38 पंच, इंक जैट प्रिंटर पार्ट, ग्रैनडैर ब्लैड व केबल बंडल सहित काफी सामान चोरी हो गया। पुलिस ने मामले में संलिप्त चार आरोपी पवन कुमार, मंजीत उर्फ पटवारी, सुरेश उर्फ आडू व इन्द्रपाल को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने शनिवार को मामले में संलिप्त एक और आरोपी राजू उर्फ भजनलाल को अदालत से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

---

## महाराष्ट्र में संपन्न राष्टीय योगासन प्रतियोगिता में हरियाणा ने जीते 3 मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

छठी सब जूनियर व सीनियर बी आयु वर्ग की राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन संगमनेर महाराष्ट्र में 30 दिसम्बर से 2 जनवरी तक किया गया। प्रतियोगिता में हरियाणा की ओर से 30 खिलाड़ियों, 2 कोच व 2 टेक्निकल अधिकारियों ने भाग लिया। हरियाणा योगदान स्पोर्ट्स एसोसिएशन के राज्य सचिव डा. युद्धवीर ने बताया की प्रतियोगिता में हरियाणा ने 3 मेडल प्राप्त किए, जिसमे हरिशंकर ने सीनियर बी आयु वर्ग फारवर्ड बैंड इवेंट में गोल्ड मेडल, कीर्ति व जानवी ने सब जूनियर वर्ग आर्टिस्टिक इवेंट में सिल्वर मेडल व देवांशी ने सब जूनियर आयु वर्ग ट्रेडिशनल इवेंट में ब्रांज मेडल प्राप्त किया, जबकि तीन खिलाड़ियों ने चौथा स्थान प्राप्त किया। हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन व हरियाणा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. जयदीप आर्य ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में और मेहनत व लगन से योगासन का अभ्यास कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

रेवाड़ी। प्रतियोगिता में मेडल के साथ हरियाणा की टीम। फोटो : हरिभूमि

## आपराधिक वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए ठीकरी पहरे आवश्यक : कश्मीर सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

धारूहेड़ा थाना परिसर में रविवार को पुलिस व क्षेत्र के मौजिज लोगों की बैठक आयोजित की गई। धारूहेड़ा थाना एसएचओ कश्मीर सिंह ने लोगों कों विभिन्न अपराधों की जानकारी, उनसे बचाव सहित नशे के दुष्प्रभावों बारे जानकारी देकर जागरूक किया। इसके अलावा सर्दी के मौसम में बढ़ती चोरी की वारदातों को रोकने के लिए गांव में ठीकरी पहरा लगाने बारे भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय से ही अपराध एवं अपराधियों तथा गैरकानूनी धंधा करने वालों पर कारगर ढंग से अंकुश लगाया जा सकता है। सभी पुलिस प्रशासन की ओर से नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम में आगे आकर अपनी अग्रणी भूमिका निभाए तथा ताकि नशे को समाज से पूरी तरह से खत्म किया जा सकें। उन्होंने कहा कि नशा बेचने वालों की असली जगह जेल है, इसलिए नशे का कारोबार करने वालों की सूचना निःसंकोच होकर पुलिस को दें, पुलिस प्रशासन ऐसी सूचना पर जल्द और कड़ी कार्रवाई करेगा। उन्होंने क्षेत्र के मौजिज व्यक्तियों से पुलिस व आमजन के बीच सामंजस्य स्थापित करने व अपराधों को रोकने को लेकर सुझाव भी लिए तथा पुलिस की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया।

उन्होंने कहा कि पुलिस की पीसीआर व राइडर रात भर गांवों में गस्त कर रही हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में चोरी व अन्य आपराधिक वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए ठीकरी पहरे आवश्यक हैं।

रेवाड़ी। थाने में लोगों की बैठक लेते एसएचओ कश्मीर सिंह। फोटो : हरिभूमि

---

रेवाड़ी। समिति की बैठक में मौजूद समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

## मेघवाल उत्थान समिति ने शिक्षा पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मेघवाल उत्थान समिति की ओर से रविवार को गांव टांकड़ी में सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता किशोर कुमार टांकड़ी ने की तथा मंच का संचालन सचिव भूपेन्द्र शेखपुर ने किया। बैठक में मुख्य सलाहकार मेघवंशी गजराज सिंह ने सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन एवं बच्चों की शिक्षा पर जोर दिया, साथ ही बच्चों की शिक्षा को समाज की प्राथमिकता बनाने का संकल्प लिया गया। समिति के प्रधान सूरजभान मेघवाल ने बताया कि जल्द ही बावल क्षेत्र के कई गांवों की एक संयुक्त मेघवाल सभा आयोजित की जाएगी, जिसमें समाज में व्याप्त प्रमुख सामाजिक कुरीतियों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा और उन्हें समाप्त करने के ठोस निर्णय लिए जाएंगे। संरक्षक वेदप्रकाश मेघवाल ने कहा कि समिति का उद्देश्य समाज को आर्थिक, सामाजिक एवं नैतिक रूप से मजबूत बनाना है। ये कुरीतियां न केवल परिवारों पर आर्थिक बोझ डालती हैं, बल्कि समाज की प्रगति में भी बाधक बनती हैं। इस मौके पर अशोक मेघवाल सह-सचिव, मैनेजर परमेश्वर प्रभारी ब्लॉक बावल, सूबेदार रमेश चंद्र अध्यक्ष, ब्लॉक बावल, सलाहकार सुंदरलाल भटेरिया, लालचंद फोरमैन, सुंदरलाल भटेडिया, राहुल मेघवाल, सतीश कुमार, एक्स सूबेदार मेजर बलबीर सिंह, मैनेजर देवेंद्र मेघवाल, हीरा सिंह वैद्य, फतेह सिंह, सूबेदार रमेश चंद, रूड़ाराम, किशोर कुमार, विजय कुमार, रतिराम नंबरदार, ईश्वरसिंह, मानसिंह, शेरसिंह, जगदीश चंद आर्य, सागरमल, रामकुमार, राजेश खरकड़ियि, पूर्ण सिंह, सतबीर सिंह, राजपाल, पवन, कृष्ण, सुरेंद्र कुमार व मुनीलाल मेघवाल मौजूद थे।

## खेलों से प्रतिभाओं को मिलता है मौका : अनिल यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली के विधायक अनिल यादव ने कहा कि हरियाणा सरकार ग्रामीण विकास की दृष्टि से सराहनीय काम कर रही है। सरकार का प्रयास है कि गांवों में सभी प्रकार की जनसुविधाएं उपलब्ध हों। विधायक अनिल यादव रविवार को गांव करावरा मानकपुर में क्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विधायक कोष से डी-प्लान स्कीम के अंतर्गत गांव करावरा के खेल स्टेडियम की चारदीवारी तथा हॉल का उद्घाटन किया। इसके अलावा विधायक ने पंचायत समिति जाटूसाना के तत्वावधान में खेल स्टेडियम व रामबाग के टीन शेड, ओपन जिम, प्राइमरी स्कूल के रास्ते आदि विकास कार्यों का भी उद्घाटन किया। विधायक ने कहा कि युवाओं को खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ कर भाग लेना चाहिए। क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से गांवों की खेल प्रतिभाओं को भी आगे आने का मौका मिलता है। इस अवसर पर मार्केट कमेटी चेयरमैन महेश यादव, जाटूसाना पंचायत समिति के वाइस चेयरमैन विक्रम सिंह, प्रवीन यादव, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, करावरा के सरपंच सतीश कुमार, पूर्व चेयरमैन राजकुमार, शादीपुर के सरपंच सुंदर सिंह, पूर्व सरपंच प्रताप सिंह, बीडीसी सदस्य सुशील कुमार, चरण सिंह बेरली व मा.अरुण उपस्थित थे।

रेवाड़ी। करावरा मानकपुर में विकास कार्यों का उद्घाटन करते हुए विधायक अनिल यादव।

### पड़ोस के घर में चोरी करने पर युवक पर केस दर्ज

**कोसली।** खुर्शीद नगर गांव के एक व्यक्ति ने अपने ही पड़ौसी युवक पर घर में घुसकर जेवरात चोरी करने का आरोप लगाते हुए नाहड़ पुलिस चौकी में शिकायत दी है। राजपाल ने बताया कि 31 दिसंबर की दोपहर उनकी पत्नी पड़ौसी युवक राहुल को घर पर निगाह रखने की कहकर भजन-कीर्तन कार्यक्रम में गई थी। वापस आने पर घर के ताले पहले की तरह बंद थे। शाम को अलमारी की जांच की तो लॉक टूटा हुआ था तथा उसमें रखी सोने की अंगूठी, सोने की चैन, सोने के टोपस, सोने का मंगलसूत्र व चांदी की अंगूठी गायब थी। शिकायतकर्ता ने पुलिस से कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

---

### मुख्यमंत्री राहत कोष से सीधे खाते में जाएगी धनराशि

# इलाज के लिए 15 दिन में मिलेगी आर्थिक मदद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा सरकार की ओर से आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष के तहत चिकित्सा आधार पर वित्तीय सहायता प्राप्त करने वालों को सरल पोर्टल पर सुविधा प्रदान की जा रही है। इससे यह प्रक्रिया अधिक सरल हो गई है। अब आर्थिक सहायता के लिए प्रार्थी आवेदक सरल पोर्टल के माध्यम से सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री राहत कोष से मिलने वाली आर्थिक सहायता की राशि सीधे आवेदक या लाभार्थी के बैंक खाते में ट्रांसफर की जाएगी। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि आवेदक अपनी पीपीपी यानी परिवार पहचान पत्र आईडी के माध्यम से सरल पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए आवेदकों को अपने चिकित्सा बिल, ओपीडी बिल आदि जैसे अन्य संबंधित दस्तावेजों को अपलोड कर मुख्यमंत्री राहत कोष यानि सीएमआरएफ से चिकित्सा आधार पर वित्तीय सहायता के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजना में किए गए बदलावों के तहत यदि कोई बीमारी आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना में कवर नहीं हो रही है, तो आयुष्मान योजना के लाभार्थियों को भी इस योजना के तहत लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री राहत कोष के अंतर्गत आर्थिक सहायता के लिए जिला स्तरीय कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें संबंधित एमपी, संबंधित एमएलए, उपायुक्त, सिविल सर्जन, नगर परिषद व नगर पालिकाओं के अध्यक्ष, जिला परिषद के चेयरमैन, पंचायत समिति के चेयरमैन को सदस्य और नगराधीश को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

#### दिन की समयसीमा निर्धारित की गई : डीसी

डीसी ने बताया कि जैसे ही आवेदक आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिए पोर्टल पर अपना आवेदन डालेगा, वैसे ही आवेदन को संबंधित क्षेत्र के सांसद, विधायक, अध्यक्ष जिला परिषद, अध्यक्ष ब्लॉक समिति, मेयर-एमसी के अध्यक्ष के पास भेजा जाएगा और ये जनप्रतिनिधि पांच दिन के भीतर अपनी सिफारिशों के साथ डीसी कार्यालय को भेजेंगे। उसके उपरांत आवेदन को डीसी कार्यालय की ओर से संबंधित तहसीलदार को आवेदक की चल-अचल संपत्ति की वेरिफिकेशन तथा सिविल सर्जन को मेडिकल दस्तावेजों के सत्यापन के लिए भेजा जाएगा। प्रक्रिया में संपत्ति की वेरिफिकेशन के लिए चार दिन व सिविल सर्जन कार्यालय से जुड़े सत्यापन कार्य के लिए पांच दिन की समयसीमा निर्धारित की गई है।

#### अधिकतम सीमा एक लाख रुपये निर्धारित

मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता के रूप में इलाज खर्च का 25 प्रतिशत पैसा ही मिलेगा, जिसकी अधिकतम सीमा एक लाख रुपए निर्धारित की गई है। आवेदक वित्त वर्ष में केवल एक बार ही इस सुविधा का लाभ ले सकता है।

# साहित्य

*जो शिक्षा प्रणाली लड़के- लड़कियों को सामाजिक बुराई या अन्याय के खिलाफ लड़ना नहीं सिखाती तो उस शिक्षा में जरूर कोई न कोई बुनियादी खराबी है।*

*- मुंशी प्रेमचंद*

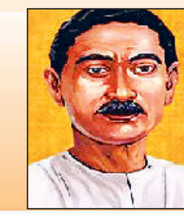

*पहला घूँट भरते ही अद्विक बोला, 'भाइयों, एक पल के लिए कल्पना करो। अगर आज हम शादीशुदा होते, तो क्या यहाँ इस तरह बैठे होते? मुमकिन है कि अयांश घर पर बच्चों का डायपर बदल रहा होता, अमन पत्नी की शॉपिंग लिस्ट के साथ मॉल में धक्के खा रहा होता और मैं स्कूल की फीस जमा करने की लाइन में लगा होता। यह आजादी जो हमें मिली है, वह अनमोल है।' चारों ने एक साथ "चीयर्स" कहा और माहौल और भी गहरा हो गया।*

*रात के 12 बजने वाले थे। खिड़की के बाहर गोवा के आसमान में आतिशबाजी शुरू हो चुकी थी। चारों दोस्तों ने एक बार फिर अपने गिलास उठाए। उनकी आँखों में भविष्य के प्रति कोई डर नहीं था, बल्कि अपनी चुनी हुई राह पर चलने का एक गर्व था। उन्होंने जोर से नारा लगाया- 'कुंवारे नेता जिंदाबाद! आजादी जिंदाबाद!' होटल के उस कमरे में चार अलग-अलग कहानियाँ थीं, लेकिन सबका सार एक ही था, अपनी शर्तों पर जीवन जीना।*

कहानी

डॉ. मधुकांत

## कुंवारे नेता जिंदाबाद

दिसंबर की सर्द हवाएं जब देश के उत्तरी हिस्सों में ठिठुरन पैदा कर रही थीं, तब गोवा की सुनहरी रेत और लहरों का शोर चार दोस्तों के स्वागत के लिए तैयार था। अद्विक, अमन, विधान और अयांश—ये चार नाम नहीं, बल्कि एक अटूट दोस्ती की मिसाल थे। हर साल की तरह इस बार भी नए साल का जश्न मनाने के लिए उन्होंने गोवा के एक आलीशान पांच सितारा होटल को अपना ठिकाना बनाया। यह होटल उनकी सफलता और उनकी मेहनत की कमाई का गवाह था। होटल में दो 'कनेक्टिंग रूम' बुक किए गए थे। इन कमरों की खासियत यह थी कि इनके बीच का दरवाजा खोलते ही ये एक विशाल सुइट में तब्दील हो जाते थे। चारों दोस्तों ने कमरे में घुसते ही सबसे पहला काम उस दरवाजे को खोलने का किया। यह दरवाजा केवल लकड़ी का नहीं था, बल्कि उनके बीच के खुलेपन और पारदर्शिता का प्रतीक था।

30 से 32 वर्ष की उम्र के ये चारों युवा न केवल शारीरिक रूप से फिट थे, बल्कि अपने करियर में भी ऊंचाइयों को छू रहे थे। उनकी एक और समानता यह थी कि वे सभी अभी तक 'सिंगल' थे और अपनी इस आजादी का भरपूर आनंद ले रहे थे। अद्विक, अमन और विधान कमरे में पहुँच चुके थे और सामान व्यवस्थित कर रहे थे। अद्विक ने घड़ी की ओर देखते हुए कहा, 'अरे भाई, हम तीनों तो समय पर आ गए, लेकिन अयांश का अभी तक कोई अता-पता नहीं है। दिल्ली में बैठकर बड़ी-बड़ी हांक रहा था कि इस बार सबसे पहले पहुँचकर तुम लोगों का स्वागत करूँगा।'

अमन ने खिड़की से समुद्र की लहरों को निहारते हुए मुस्कुराकर कहा, 'अरे अद्विक, तू अयांश को नहीं जानता? वह वादाखिलाफी नहीं करता। वह असल में हम सबसे पहले पहुँचा है। रिसेप्शन पर पता चला कि वह सीधे बीच पर लहरों से टकराने चला गया है। शाम ढल रही है, अब उसके आने का ही वक्त है।'

अभी बात चल ही रही थी कि कमरे का दरवाजा धड़धड़ाते हुए खुला। कंधे पर गिटार टांगे और चेहरे पर सूरज की तपिश लिए अयांश ने प्रवेश किया।

'मैं आ गया दोस्तों! सुना है कोई मुझे याद कर रहा था?' अयांश की आवाज में वही पुरानी खनक थी। चारों दोस्त एक-दूसरे के गले मिले। खुशी का आलम यह था कि अयांश ने वहीं थिरकना शुरू कर दिया। उसकी यह पुरानी आदत थी- जब भी वह भावुक या खुश होता, उसके पैर अपने आप थिरकने लगते। देखते ही देखते बाकी तीनों भी उसके साथ नाचने लगे। होटल का वह कमरा उनकी हंसी और ठहाकों से गूंज उठा। कुछ देर की मस्ती के बाद अयांश ने अद्विक के कंधे पर हाथ रखा और कहा, 'अद्विक भाई, तू तो हमारा 'इवेंट मैनेजर' है। साल खत्म होने में कुछ ही घंटे बचे हैं और अभी तक ग्लास खाली हैं? तैयारी कहाँ तक पहुँची?'

अद्विक ने रहस्यमयी मुस्कान के साथ बगल वाले कमरे की ओर इशारा किया, 'सब इंतजाम पक्का है मेरे दोस्त। उस कमरे में चल, वहाँ जन्नत सजी है।' चारों दोस्त बगल वाले कमरे में पहुँचे, जहाँ एक गोल मेज पर दुनिया भर की बेहतरीन ड्रिंक्स, स्नैक्स और डिनर का प्रबंध था। अद्विक ने बड़ी कुशलता से पैग बनाने शुरू किए। पहला घूँट भरते ही अद्विक बोला, 'भाइयों, एक पल के लिए कल्पना करो। अगर आज हम शादीशुदा होते, तो क्या यहाँ इस तरह बैठे होते? मुमकिन है कि अयांश घर पर बच्चों का डायपर बदल रहा होता, अमन पत्नी की शॉपिंग लिस्ट के साथ मॉल में धक्के खा रहा होता और मैं स्कूल की फीस जमा करने की लाइन में लगा होता। यह आजादी जो हमें मिली है, वह अनमोल है।' चारों ने एक साथ 'चीयर्स' कहा और माहौल और भी गहरा हो गया। अयांश की 'शहीद' होने वाली कहानी बातों का सिलसिला निकला तो अमन ने अयांश की ओर देखते हुए पूछा, 'अरे अयांश, पिछले हफ्ते तू फोन पर बहुत परेशान था। कह रहा था कि घर में 'इमरजेंसी' है। फिर तूने बताया नहीं कि उस शादी वाले मामले का क्या हुआ?'

अयांश ने एक लंबी और राहत भरी सांस ली। 'भाई, मैं तो मौत के मुँह से वापस आया हूँ। तुम्हें तो पता है मेरे पापा मिलिट्री से रिटायर हुए हैं। उनके लिए अनुशासन और आदेश ही सब कुछ है। पिछले दो साल से उन्होंने मेरी शादी को अपना एकमात्र मिशन बना लिया था। इस बार मम्मी ने फोन किया कि उनकी तबीयत बहुत खराब है, मुझे तुरंत घर आना होगा। मैं घबराकर दिल्ली से गाँव पहुँचा, तो देखा मम्मी बिल्कुल भली-चंगी रसोई में पकौड़े तल रही हैं।' अयांश ने आगे बताया, 'तभी घर की घंटी बजी और पापा के जिगरी दोस्त अपनी बेटी के साथ प्रकट हुए। सब कुछ पहले से फिक्स था। मुझे और उस लड़की को बात करने के लिए ऊपर के कमरे में भेज दिया गया। मैं पसीने-पसीने हो रहा था कि अब मना कैसे करूँ? तभी उस लड़की ने ही मोर्चा संभाल लिया। उसने कमरे में घुसते ही कहा- 'देखिए, मेरा एक बॉयफ्रेंड है और मैं उसी से शादी करूँगी। मेरे पापा जबरदस्ती यहाँ लाए हैं। आप मना कर दीजिए।' मुझे लगा जैसे भगवान खुद मदद करने आए हैं। मैंने भी उससे कह दिया कि मैं भी शादी नहीं करना चाहता, पर मेरे पापा 'हिटलर' हैं। अगर मैं सादगी से मना करूँगा, तो वह मेरी खाल खींच लेंगे।'

फिर हमने एक योजना बनाई। अयांश खिलखिलाकर बोला। 'जैसे ही मम्मी चाय लेकर कमरे में आईं, हमने जानबूझकर चिल्लाना शुरू कर दिया। मैंने कहा—'मम्मी, यह लड़की तो बहुत बदतमीज है, इसे बड़ों से बात करने की तमीज नहीं है।' लड़की भी मंझी हुई कलाकार निकली, उसने तुरंत चिल्लाकर कहा कि मैंने उसकी माँ के बारे में अपशब्द कहे हैं। नीचे हॉल में ऐसा हंगामा हुआ कि रिश्ता जुड़ने से पहले ही जलकर राख हो गया। वे लोग बिना चाय पिए भाग गए और मैं अपनी आजादी लेकर वापस आ गया।' अयांश का तर्क स्पष्ट था- 'अभी मेरा करियर है। 32 साल की उम्र में मैं प्राइवेट सेक्टर में 12-12 घंटे काम करता हूँ, तब जाकर प्रमोशन मिलता है। शादी के बाद मैं न ऑफिस को समय दे पाऊँगा और न ही खुद को। इसलिए, 'नो शादी, नो बच्चे'।

"और शादी का सुख ?" अद्विक ने नया प्रसंग छेड़ दिया।
"शादी का सुख लेने की बात आपने खूब कहीं। किसी भी लाइक माइंडेड लड़की के साथ दोस्ती करो। जब तक विचार मिले उनके साथ रिलेशन में रहो। मन उब जाए, तब साथ छोड़कर अलग-अलग हो जाओ। खाओ पियो मौज उड़ाओ, न किसी को अपनाने का झंझट, न तलाक देने की परेशानी..।" विधान, जो अब तक शांत बैठा था, बोला, 'अयांश, तूने तो ड्रामा करके खुद को बचा लिया, लेकिन मेरे पड़ोस में रामू आंटी के बेटे का हाल देखो तो रूह कांप जाती है। उसने दहेज और रसूख के लालच में एक बहुत अमीर लड़की से शादी की। आज स्थिति यह है कि उस लड़की ने अपनी अकड़ में बेचारी रामू आंटी को ओल्ड एज होम भेज दिया है। वह लड़का अपने ही घर में एक नौकर की तरह रहता है। उसकी कोई अपनी इच्छा नहीं बची। जब मैं उसे देखता हूँ, तो मुझे लगता है कि अकेले रहकर चैन की नींद सोना किसी भी आलीशान महल की गुलामी से बेहतर है।'

अंत में सबकी निगाहें चौथे दोस्त पर टिकीं। वह शांत, गंभीर और हमेशा खादी के कुर्ते में रहने वाला व्यक्ति था, जिसे सब प्यार से 'नेताजी' बुलाते थे। अद्विक ने पूछा, 'नेताजी, आप तो समाजसेवा की बातें करते हैं। आप क्यों इस गृहस्थी के झमेले से दूर रहना चाहते हैं?' नेताजी ने अपने चश्मे को ठीक किया और बहुत गंभीरता से कहा, 'दोस्तों, मेरा लक्ष्य केवल व्यक्तिगत सुख नहीं, बल्कि समाज की सेवा है। राजनीति की बिसात पर कुंवारा होना एक बहुत बड़ी ताकत है। इसके पीछे मेरे अपने ठोस तर्क हैं।' उन्होंने उंगलियों पर गिनवाते हुए कहा 1. समय की प्रचुरताः एक शादीशुदा नेता हमेशा घर और जनता के बीच बंटा रहता है। मुझे न घर की चिंता करनी है, न बच्चों के स्कूल की। मेरा 24 घंटा जनता का है।

2. ईमानदारी की छविः जनता उस नेता पर ज्यादा भरोसा करती है जिसके आगे-पीछे कोई न हो। लोग सोचते हैं कि यह किसके लिए भ्रष्टाचार करेगा? इसका तो कोई वारिस ही नहीं है।

3. विरासत का मोह नहींः हमने देखा है कि बड़े-बड़े नेताओं के बिगड़ैल बेटे ही अपने पिता की मेहनत पर पानी फेर देते हैं। परिवारवाद की जड़ ही परिवार है। जब परिवार ही नहीं होगा, तो मोह कहाँ से आएगा? भारत के इतिहास में भी देखो, कई बड़े मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री कुंवारे रहे हैं और उनकी छवि बेदाग रही है। नेताजी की बातों में एक अलग ही गहराई थी। उन्होंने निष्कर्ष निकालते हुए कहा, 'मैंने तय किया है कि मेरा जीवन किसी एक स्त्री या बच्चे के लिए नहीं, बल्कि समाज के हर उस बच्चे के लिए होगा जिसे मेरी जरूरत है। इसलिए-नो शादी, नो बच्चे, बस सेवा!

रात के 12 बजने वाले थे। खिड़की के बाहर गोवा के आसमान में आतिशबाजी शुरू हो चुकी थी। चारों दोस्तों ने एक बार फिर अपने गिलास उठाए। उनकी आँखों में भविष्य के प्रति कोई डर नहीं था, बल्कि अपनी चुनी हुई राह पर चलने का एक गर्व था। उन्होंने जोर से नारा लगाया- 'कुंवारे नेता जिंदाबाद! आजादी जिंदाबाद!' होटल के उस कमरे में चार अलग-अलग कहानियाँ थीं, लेकिन सबका सार एक ही था, अपनी शर्तों पर जीवन जीना। संगीत तेज हुआ, आतिशबाज़ी से आसमान रंगीन हो गया और इसी के साथ नए साल का आगाज हुआ। वे चारों दोस्त, जो समाज की नजर में शायद 'अधूरे' थे, अपनी नजरों में पूरी तरह 'मुकम्मल' महसूस कर रहे थे।

कविता

सुधीर ढांडा कौल

## डंडे की मार

जानवरों से मुझे लगाव बहुत है,
उन्हें पालने का चाव बहुत है।

एक साथ बिल्ली बंदर कुत्ते को पाला,
सफ़ेद कुत्ता, भूरा बंदर, बिल्ली
का रंग था काला।

थी तीनों की गजब की यारी,
बिल्ली कुत्ते खेलते,बंदर करता सवारी।

एक ही कटोरे में तीनों खाते थे,
एक दूसरे से लिपटकर सोते थे।

बंदर को मै गाड़ी पर ले जाता था,
कुत्ता बिल्ली के पास घर पर रहता था।

अपने हाथों से खाना उन्हें खिलाता था,
दूध कटोरे में खूब उन्हें पिलाता था।

एक दिन मेरी माँ ने गुस्से में
बिल्ली को डंडा मार दिया

और उस प्यारे कुत्ते को भी घर
से बाहर निकाल दिया।

डंडे से बिल्ली की टाँग टूट गई,
बिल्ली का दर्द देख माँ रूठ गई।

मां ने मरहम बनाई और बिल्ली
की टाँग पर लगाई,

बहुत दिनों बाद बिल्ली बेचारी
थोड़ा थोड़ा चल पाई।

बिल्ली घर से दौड़ गई,
कुत्ते की हो मौत गई,

बंदर को मैंने छोड़ दिया,
जानवरों से नाता तोड़ दिया।

सुधीर टूट गई तीनों की यारी, ये
थी बातें बचपन की सारी।

इसमें कुछ भी झूठ नहीं है,मेरे
पास फोटो जैसा सबूत नहीं है।

कविता

मनोज वशिष्ठ

## विश्व वीर विवेकानंद

उठा शिखर से घोष एक, जो सागर पार सुनाया था,
सोए भारत की अंतस को, जिसने आन जगाया था।
गेरुआ वसन, ललाट पे तेज, आँखों में करुणा की धार,
वह संन्यासी नहीं मात्र, था भारत का ही अवतार।

शिकागो की उस सभा बीच, जब गूँजा 'भ्राता-भगिनी' स्वर,
स्तब्ध रह गया विश्व सकल, झुक गया गर्व से मस्तक पर।
वेदांत की पावन वाणी से, जग का संशय दूर किया,
पश्चिम की भौतिक चकाचौंध में, अध्यात्म का नूर दिया।

कहा उन्होंने— उठो! जागो! मत रुको राह के रोड़ों से,
मंजिल तुमको ही चुननी है, संघर्षों के इन घोड़ों से।
शक्ति ही जीवन का सच है, कमजोरी बस एक मृत्यु है,
वीर वही जो अडिग खड़ा, चाहे सम्मुख काल-नृत्य है।

₹मनुष्य-निर्माण₹ ही लक्ष्य रहे, वह शिक्षा असली कहलाती,
जो दीन-दुखी के आँसू पोंछे, वह भक्ति सच्ची कहलाती।
लोहे की हों मांसपेशियाँ, फौलादी जिनका सीना हो,
विवेकानंद के सपनों का, भारत ऐसा नगीना हो।

रेवाड़ी की पावन माटी से, हम यह संकल्प दोहराते हैं,
'विज़न 2026' के पथ पर, हम बढ़ते ही जाते हैं।
हाथों में विज्ञान रहे, और मन में संचित संस्कार रहें,
हम विवेकानंद के अनुयायी, राष्ट्र-प्रेम के आधार रहें।

लघुकथा

डॉ . तबस्सुम जहां



## आत्मा का अंश

शिष्यः गुरुजी, आत्मा क्या है?गुरुजीः वत्स, आत्मा एक ऊर्जा है, जो चिरकाल से ब्रह्मांड में विचरण करती है — जैसे असंख्य तारे, ग्रह और धूमकेतु।

**शिष्यः** और गुरुजी, आत्मिक जुड़ाव क्या होता है?

**गुरुजीः** जब हमारी आत्मा का कोई अंश एक जन्म से दूसरे जन्म तक किसी को पाने को व्याकुल हो उठता है, जब किसी अनजाने से बिना मिले ही गहरा जुड़ाव महसूस होता है — तब समझना चाहिए कि आत्मा का वह अंश अपने दूसरे हिस्से से मिलने को आतुर है। वह मिलकर पूर्णता की ओर बढ़ना चाहता है।

**शिष्यः** परंतु गुरुदेव, आत्मा के वे दो हिस्से, दो व्यक्ति, कैसे मिलेंगे?

**गुरुजीः** वत्स, नियति चाहे जितनी राहें मोड़े, आत्माएँ अपने हिस्सों को ढूंढ ही लेती हैं। जो होना है, वह होकर ही रहता है।

**शिष्यः** क्या यह ज़रूरी है कि दोनों में प्रेम भी हो? जबकि मिलन से पहले उनके जीवन के मार्ग अलग-अलग हो चुके हैं?

**गुरुजीः** यही तो नियति की लीला है वत्स। आत्मा जिसे चुनती है, उससे वह प्रेम मांगती नहीं , बस देती है। यह प्रेम देह या मन का नहीं होता, यह निस्वार्थ होता है। आत्मा न किसी शर्त को जानती है, न किसी बंधन को मानती है।

**शिष्यः** और यदि दूसरा व्यक्ति उस प्रेम को न समझे?

**गुरुजीः** समझेगा वत्स... समय आने पर अवश्य समझेगा। प्रारंभ में वह भ्रमित रहेगा, दूर भागेगा, कड़वे वचन कहेगा, तिरस्कार करेगा। किंतु जब सब शांत होगा, वह अपने भीतर झांकेगा — तब उसे यह ज्ञात होगा कि जिस प्रेम को वह ठुकरा रहा था, वह कोई साधारण आकर्षण नहीं था... वह उसकी ही आत्मा का एक विलग अंश था।

**शिष्यः** तब क्या होगा गुरुदेव?

**गुरुजी** (मुस्कुराते हुए): तब... वह मौन में प्रार्थना करेगा कि वह प्रेम फिर लौट आए। पर तब तक वह प्रेम किसी दूसरी ऊँचाई पर पहुँच चुका होगा। जहाँ से लौटना संभव नहीं होगा। क्योंकि आत्मा का वह अंश अपना कर्तव्य पूरा कर चुका होगा — निःस्वार्थ प्रेम देकर... किसी अपेक्षा के बिना।

**'हरियाणवी साहित्य' केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यहां के जनजीवन, इतिहास और दर्शन का दर्पण है। विडंबना यह है कि इतना समृद्ध होने के बावजूद हरियाणवी साहित्य को वह अकादमिक सम्मान और पहचान नहीं मिल पाई है, जिसका वह हकदार है। हरियाणवी साहित्य की जड़ें बहुत गहरी हैं, लेकिन आज भी इसे हिंदी की एक 'बोली' मात्र मानकर हाशिए पर रख दिया जाता है।**

मंथन

डॉ. चंद्र त्रिखा

## हरियाणवी साहित्य में शोध की नितांत आवश्यकता

हरियाणवी साहित्य' हरियाणा की उज्ज्वल सांस्कृतिक एवं बौद्धिक परंपरा की नींव है। सरस्वती से पोषित हरियाणा की धरती साहित्यिक दृष्टि से बहुत उपजाऊ रही है। इसे वेद, पुराण, गीता, महाभारत आदि पवित्र ग्रंथों की रचना-स्थली होने का गौरव प्राप्त है। आधुनिक साहित्यिक परंपरा का आरंभ हर्षवर्धनकाल से माना जाता है।

इस काल में अनेक ब्राह्मण ग्रंथ एवं वेदों के स्पष्टीकरण हेतु धर्मसूत्र, उपनिषद्, मनुस्मृति, महाभारत आदि की रचना की गई। इसके अतिरिक्त अनेक काव्य धाराएं यथा जैन काव्यधारा, संत काव्यधारा, सूफी काव्यधारा, वैष्णव भक्ति काव्यधारा आदि प्रवाहित हुई। विशाल 'हरियाणवी साहित्य' में जो साहित्य 'हरियाणवी' में लिखा गया, उसने हरियाणा को विशेष पहचान दी है।

'हरियाणवी साहित्य' केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यहाँ के जनजीवन, इतिहास और दर्शन का दर्पण है। विडंबना यह है कि इतना समृद्ध होने के बावजूद, हरियाणवी साहित्य को वह अकादमिक सम्मान और पहचान नहीं मिल पाई है, जिसका वह हकदार है। हरियाणवी साहित्य की जड़ें बहुत गहरी हैं। नाथ-सिद्ध परंपरा से लेकर सूफी संतों की वाणियों तक और पंडित लखमीचंद के सांगों से लेकर आधुनिक कविता तक, इसका विस्तार बहुत बड़ा है, लेकिन आज भी इसे हिंदी की एक 'बोली' मात्र मानकर हाशिए पर रख दिया जाता है। विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में हरियाणवी साहित्य का हिस्सा न के बराबर है। जो थोड़ा बहुत साहित्य उपलब्ध है, वह या तो मौखिक परंपरा में है या फिर पुरानी, जीर्ण-शीर्ण पांडुलिपियों में बंद है।

### 'श्रुति परंपरा' पर आधारित है साहित्य का बड़ा हिस्सा

हरियाणवी साहित्य का एक बहुत बड़ा हिस्सा 'श्रुति परंपरा' पर आधारित है। हमारे बुजुर्गों के पास लोकगीतों, किस्सों, मुहावरों और कहानियों का खजाना है। जैसे-जैसे पुरानी पीढ़ी जा रही है, यह खजाना भी लुप्त होता जा रहा है। शोध के माध्यम से इन मौखिक रचनाओं को लिपिबद्ध करना अत्यंत आवश्यक है, अन्यथा आने वाली पीढ़ियों के लिए यह इतिहास हमेशा के लिए मिट जाएगा। हम पं. लखमीचंद, बाजे भगत या पं. मांगेराम जैसे बड़े रचनाकारों को तो जानते हैं, लेकिन हरियाणा के गांवों में ऐसे सैकड़ों कवि और रचनाकार हुए हैं जिनकी

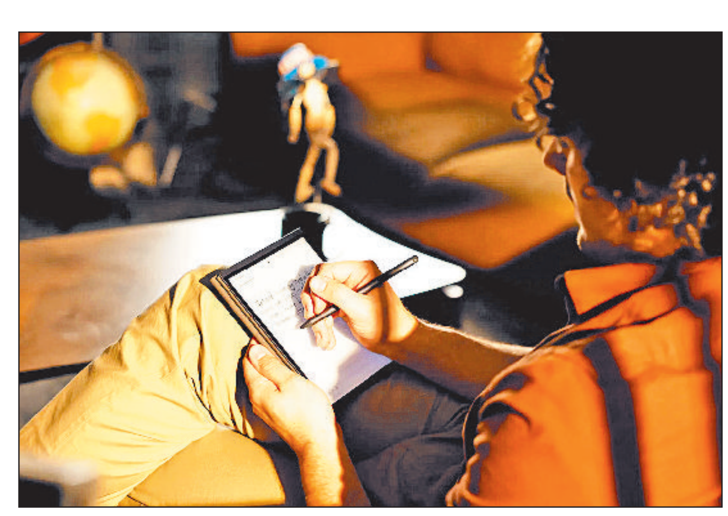

रचनाएं अद्भुत हैं, लेकिन उन्हें कोई नहीं जानता। इसलिए अब आवश्यक है कि गांवों की खाक छानकर ऐसे गुमनाम रचनाकारों को खोजा जाए और उन्हें साहित्य के पटल पर स्थापित किया जाए।

अतीत में इस दिशा में दिवंगत देवी शंकर प्रभाकर, शसाधुराम शारदा, प्रोफेसर लालचंद गुप्त मंगल रघुवीर मथाना, प्रोफेसर बाबूराम, डॉ. रामफल चहल, डॉ. राजेंद्र वत्स द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में हरियाणवी साहित्य के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया गया है। हरियाणवी भाषा एवं लिपि के क्षेत्र में डॉक्टर जगदेव सिंह द्वारा ठोस कार्य किया गया है। आवश्यकता है इस लग्न एवं प्रतिबद्धता के साथ इस कार्य को आगे बढ़ाया जाए।

### ठोस कदम उठाने होंगे

शोध की दिशा में सकारात्मक बदलाव के लिए कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। पुरानी पांडुलिपियों और ऑडियो रिकॉर्डिंग्स को डिजिटल रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए। एम.ए. और पीएच.डी. करने वाले छात्रों को हरियाणवी साहित्य पर शोध करने के लिए विशेष छात्रवृत्ति दी जानी चाहिए। ऐसे प्रोजेक्ट्स शुरू करने चाहिए जिनमें शोधकर्ता गांवों में जाकर लोक साहित्य इकट्ठा करें। यह केवल भाषा का सवाल नहीं है, बल्कि यह हरियाणवी अस्मिता और संस्कृति को बचाने का सवाल है। जब हम अपनी भाषा और साहित्य पर शोध करेंगे, तभी हम दुनिया को बता पाएंगे कि हरियाणवी केवल 'लठ्ठमार' बोली नहीं है, बल्कि इसमें जीवन का गहरा दर्शन, प्रेम और करुणा भी समाहित है।

हरियाणवी भाषा बांगरू, देशवाली, अहीरवाटी, कौरवी आदि के नाम से हर 20-30 किलोमीटर पर बदल जाती है। शोध की कमी के कारण इसका कोई एक मानक सर्वमान्य रूप विकसित नहीं हो पाया है। जब तक भाषा के व्याकरण और शब्दकोश पर गहरा शोध नहीं होगा, तब तक इसे शिक्षा के माध्यम के रूप में या संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने का दावा मजबूत नहीं हो पाएगा। हरियाणवी सांगों और रागनियों में उस समय की सामाजिक कुरीतियों, अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष, अकाल और खेती-किसानी के संघर्ष का वर्णन मिलता है।

शोध द्वारा हमें हरियाणा का एक ऐसा सामाजिक इतिहास मिलेगा जो किसी इतिहास की किताब में नहीं है। हरियाणवी अब केवल रागनियों तक सीमित नहीं है। आज अनेक कवि हरियाणवी में गजलें, दोहे, मुक्तक, नाटक और उपन्यास लिख रहे हैं।

## अध्यात्म एवं यथार्थ का संगम है 'जब तक तुम ना आओगे'

पुस्तक : जब तक तुम ना आओगे
लेखिका : सविता गर्ग
मूल्य : 210 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा

डॉ. विजेंद्र कुमार

कवयित्री सविता गर्ग से मेरा परिचय काफी पुराना है। उसने अपनी पहली काव्य कृति 'मैं मीरा सी' मुझे भेंट की थी। जब तक तुम ना आओगे उनका चौथा काव्य संग्रह है। इस काव्य संग्रह में उनकी 97 कविताएं संकलित हैं। इन कविताओं में कवयित्री का मन प्रेम, भक्ति, देश प्रेम ,अध्यात्म, विरह तथा समकालीन यथार्थ के विभिन्न आयामों की यात्रा करता प्रतीत होता है। यह सभी कविताएं उनकी रचनाशीलता के बहुआयामी व व्यापक दृष्टिकोण को रेखांकित करती हैं। श्री कृष्ण को समर्पित कुछ कविताएं उनकी आध्यात्मिक चेतना के उज्ज्वल स्वरूप को आलोकित करती हैं। कवयित्री ने यह संग्रह भगवान श्री कृष्ण को ही समर्पित किया है। सविता अपनी अनुभूति को व्यक्तिगत परिधि से निकालकर सार्वभौमिक करने में सफल रही हैं। नारी पीड़ा की वेदना उनकी इन कविताओं में दृष्टव्य है - सिया सती राधा रुक्मण सारे रूपों से गुजरी हूं मोहन की जोगन बन घूमी में मीरा वही दीवानी हूं। इसी प्रकार मैं सदियों पुरानी हो गई हूं कविता में वह कहती हैं : परियों की कहानी हो गई हूं, शिलाओं पर लिखी निशानी हो गई हूं। 'जीवन उत्सव है' कविता का संदेश अनुकरणीय है, मानवता हो धर्म सभी का, सब उस रब के बंदे नेक भाव हो नेक हो नीयत नेक हो सब धंधे निर्बल का बल बन जाए जीवन उत्सव है। शहीदों को समर्पित कविता में वह कहती हैं -भारत मां के वीर सिपाही हंस फांसी पर झूल गए, हाय दुर्भाग्य हमारा, हम उनको ही भूल गए। देश की सीमाओं पर बलिदान शहीद के लिए लिखा उनका एक गीत बहुत मार्मिक बन पड़ा है। इस गीत से उन्हें मंचों पर विशेष ख्याति भी मिली है : प्राण तन में नहीं आंखें पथराई हैं उसके बिना घर की खुशियां मुरझाई हैं, रोता रहता है उसका पिता डाकिए उसकी आई क्या चिट्ठी बता डाकिए। नए साल की शुभकामनाएं देती कवयित्री कहती है- मानव धर्म सभी अपनाए जात-पात आड़े ना आए दिल में ज्ञान की जोत जलाएं दुख के बादल सब छट जाएं नए साल की भोर में। सविता गर्ग के मधुर कंठी गीतों की महक अनेक काव्य मंचों की शोभा बनती है। उनकी रचना धर्मिता में अपार संभावनाएं भी हैं। आलोच्य काव्य संग्रह का प्रकाशन एवं प्रस्तुतिकरण दोनों ही उत्कृष्ट कोटि के हैं।

# विडंबना : अप्रूव्ड अनअप्रूव्ड के बीच झूल रही चिंकारा रेस्ट हाउस कॉलोनी

**खास बातें**

- सुविधाओं का टोटा, रेवाड़ी रोड पर बनी चिंकारा रेस्ट हाउस के साथ वाली कॉलोनी में बिजली पानी नहीं दे रहे विभाग
- नप ने डाल दी सीवर लाइन, अब सड़क बनाने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

शहर के रेवाड़ी रोड पर बने मोहल्ला कैलाश नगर में चिंकारा रेस्ट हाउस की समीप बसी कॉलोनी प्रशासनिक अधिकारियों की मनमानी के कारण विचित्र विडंबना की शिकार हो रही है। एकतरफ जहां पब्लिक हेल्थ एवं बिजली निगम इस कॉलोनी को अवैध बताकर यहां बिजली–पानी कनेक्शन के लिए लाइन देने को तैयार नहीं है, वहीं नगर परिषद उसी कॉलोनी में सीवर लाइन डाल चुकी है और अब पक्की सीसी सड़क बनाने को तैयार है। इससे यहां रहने वाले लोगों को भी अजीब कसमकस से गुजरना पड़ रहा है। गौर हो कि रेवाड़ी रोड पर वन विभाग का चिंकारा रेस्ट हाउस बना हुआ है। इस रेस्ट हाउस के आसपास 100 से भी ज्यादा घरों की कॉलोनी बसी हुई है, लेकिन कमाल की बात है कि मुख्य सड़क मार्ग के साथ–साथ बसी कॉलोनी के लोगों ने पानी की मुख्य लाइन से नल कनेक्शन ले रखे हैं और बिजली के पोल एवं लाइन भी खड़ी हुई है, लेकिन जैसे ही इस कॉलोनी में ही थोड़ा आगे सूबेदार बलबीर सिंह यादव के मकान की तरफ बढ़ते हैं तो वहां से आगे का रास्ता न केवल कच्चा है, बल्कि इससे आगे बने करीब 60–70 मकान की बस्ती में न बिजली है और न पानी की सुविधा है। यहां के लोग भी पुराने समय से रहे हैं। ठेकेदार सुरेंद्र सैनी एवं उनके चाचा किशोरीलाल सैनी का परिवार यहां पांच दशक से भी ज्यादा समय से रह रहा है, लेकिन सुविधाओं के नाम पर यहां रहने वाले लोगों को अब तक कुछ नहीं मिल पाया है। यहां के रास्ते न केवल कच्चे हैं, बल्कि बिजली एवं पानी जैसी मूलभूत सुविधा तक उपलब्ध नहीं है।

नारनौल। सड़क बनाने के लिए जेसीबी से साफ किया गया रास्ता। फोटो: हरिभूमि

### वर्षों से झेल रहे दिक्कत

*यहां रह रहे रामौतार सैनी, कैलाश चंद सैनी, सुभाष चंद, अनीता, पूजा, मास्टर सतबीर सिंह यादव एवं डा. मोनू शर्मा आदि ने बताया कि वह यहां पर पक्के मकान बनाकर वर्षों से रहे हैं तथा बिजली एवं पानी की समस्या हल करने के लिए अधिकारियों से भी मिले हैं। उन्होंने बताया जनस्वास्थ्य विभाग एवं बिजली निगम अधिकारियों को ज्ञापन भी दिए गए, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि इन दोनों विभागों के अधिकारियों से मिले, तब उनका कहना था कि यह कॉलोनी अन–अप्रूव्ड है। इस कारण यहां लाइन नहीं दे सकते। यदि लाइन देंगे तो हमारे ही खिलाफ केस दर्ज हो जाएगा, ऐसा सरकार ने नियम बना रखा है। पहले नगर परिषद से कॉलोनी अप्रूव्ड करवाओ। ऐसे में भ्रम की स्थिति बनी हुई है कि इस कॉलोनी में पक्की सड़क एवं सीवर देने वाली नगर परिषद को सही मानें या फिर पब्लिक हेल्थ एवं बिजली निगम को।*

### अब पक्की सड़क की तैयारी

कमाल की बात यह है कि नगर परिषद इसी अवैध कॉलोनी में अब पक्की सड़क बनाने को तैयार है। नगर परिषद यहां के करीब 2 फुट चौड़े रास्ते को सीसी सीमेंट वाली सड़क बनाकर पक्का करेगी। इस 25 फुट चौड़े मुख्य मार्ग ही नहीं, कुछ गलियों को भी पक्का किया जाएगा।

### नगर परिषद ने डाल रखी सीवर लाइन

यहां गौर करने वाली बात यह है कि एकतरफ जहां पब्लिक हेल्थ एवं बिजली निगम इस कॉलोनी को अवैध बताकर बिजली पानी देने से पल्ला झाड़ रहे हैं, वहीं अप्रूव्ड–अन अप्रूव्ड की मान्यता देने वाली खुद नगर परिषद ने यहां सभी गलियों में सीवर की बड़ी लाइन डाल रखी है। सीवर लाइन डाले करीब पांच साल हो गए तथा नगर परिषद अधिकारियों के खिलाफ अन अप्रूव्ड की एवज में कोई केस दर्ज नहीं किया हुआ है।

### बिजली-पानी की सुविधा नहीं

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि नगर परिषद सही है या फिर बिजली निगम व पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट। क्योंकि नगर परिषद सीवर एवं सड़क जैसी सुविधाओं पर यहां लाखों रुपये खर्च कर रही है, वहीं उक्त दोनों विभाग अपनी मूलभूत सुविधाएं तक देने का तैयार नहीं। ऐसे में सही एवं गलत को लेकर लोग उलझन में उलझे हुए हैं। इन हालातों में जिला के प्रशासनिक अधिकारियों को आगे आकर इन लोगों को भी बिजली पानी उपलब्ध कराने की जरूरत है, ताकि इनकी मनमानी रूक सके और सरकार का हर बस्ती हर व्यक्ति तक मूलभूत सुविधा पहुंचाने का सपना साकार हो सके।

---

**खबर संक्षेप**

नारनौल। सलामपुरा में बोलेरो के पास खड़ी पुलिस गाड़ी।

### ब्लैक फिल्म लगी बोलेरो गाड़ी इंपाउंड

**नारनौल।** पुलिस की ओर से यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत डायल 112 टीम ने थाना शहर क्षेत्र में गश्त के दौरान एक ब्लैक फिल्म लगी बोलेरो गाड़ी को इंपाउंड किया। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि गश्त के दौरान टीम की नजर गाड़ी पर पड़ी। जिसके शीशों पर ब्लैक फिल्म लगी हुई थी। पुलिस ने चालक को रूकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय उसकी रफ्तार बढ़ा दी और वहां से भगा ले गया। डायल 112 के कर्मियों ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए गाड़ी का पीछा किया और मौहल्ला सलामपुरा में कुछ ही दूरी पर उसे सफलतापूर्वक काबू कर लिया। पुलिस गाड़ी व चालक को पकड़कर थाना शहर ले आई। थाना में गाड़ी की गहनता से तलाशी ली गई, लेकिन जांच के दौरान गाड़ी से कोई नशीला या आपत्तिजनक पदार्थ बरामद नहीं हुआ। चूंकि गाड़ी पर काली फिल्म लगी थी और चालक ने पुलिस के रोकने पर भागने का प्रयास किया था, इसलिए पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत गाड़ी को इंपाउंड कर दिया।

---

## एक शाम सतनामियों के नाम में हुआ काव्य पाठ व व्याख्यान

# सतनामियों के वंशजों ने नारनौल पहुंचकर किया मातृभूमि को नमन

- भक्ति, आस्था और सामाजिकता के रस से सरोबार हुए नारनौल के शासकों के वंशज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

15वीं सदी में कभी नारनौल के शासक रहे औरंगजेब को नाकों चने चबवाने वाले वीर सतनामियों के वंशजों ने नारनौल पहुंचकर न केवल अपनी मातृभूमि को नमन किया, बल्कि अपने पूर्वजों को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

इस अवसर पर जय सतनाम के उद्घोष के साथ धाम में हवन, भंडारा व सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा व एडवोकेट गोविंद शर्मा ने बताया कि सतनामी वंशजों के सैकड़ों लोग प्रत्येक वर्ष पौष माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा व माघ माह की प्रतिपदा को समीपवर्ती गांव थाना पहुंचकर अपने कुल गुरु बाबा बीरभान की जयंती मनाते हैं। इसी परंपरा के तहत इस वर्ष भी समाज के लोगों ने ऐतिहासिक भूमि पर पहुंचकर अपने पुरखों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर अखिल भारतीय सतनाम धर्म संस्था एवं प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के सौजन्य से एक शाम वीर सतनामियों के नाम कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जगजीवन खरे ने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे सैकड़ों सतनामी समाज के लोगों ने प्रथम दिन समीपवर्ती गांव थाना पहुंचकर अपने कुल गुरु बाबा बीरभान की जयंती मनाई और भंडारे का आयोजन किया। अगले दिन यादव धर्मशाला में लोक संगीत कार्यक्रम और क्षेत्र की सामाजिक संस्थाओं का सम्मान समारोह व पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन किया।

संस्था के सदस्य संतोष भारती सतनामी व विद्याधर गावस्कर ने बताया कि सतनाम धर्म संस्था से जुड़े 200 से अधिक महिला पुरुषों ने पहुंचकर अपने पूर्वजों की भूमि को नमन किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जगजीवन खरे सतनामी, रूपकिशन साध सतनामी, राज महंत अनूप, राजेन्द्र सरपंच सतनाम, पृथ्वी सिंह बिजनौर, महंत खुमान दास जोशी, पंडित भारतेश कोशी, श्यामदास महंत, चेतन भंडारी, रेवा दास टंडन के साथ बिहार, झारखंड, छतीसगढ़, ओडिशा, मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली व देश के अलग अलग हिस्सों से सतनामी समाज के लोग पहुंचे।

नारनौल। कार्यक्रम में सतनामियों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

### सांस्कृतिक कलाकारों ने बांधा समा

*कभी नारनौल के शासक व शान रहे सतनामियों के समागम में शानदार संस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। छत्तीसगढ़ के संबलपुर बालोद से पहुंचे प्रसिद्ध लोक कलाकार पंडित भरतेश जोशी व उनके पिता राज महंत खुमान दास जोशी और उनकी टीम ने उत्कृष्ट संस्कृतिक गीत, भजन प्रस्तुति के माध्यम से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सतनाम आरती विशेष आकर्षण का केंद्र रही।*

### ये हैं सतनामी

डॉ. जगजीवन खरे ने बताया कि सतनामी समुदाय भारत का एक हिंदू संप्रदाय है। कबीर की शिक्षाओं से प्रेरित होकर 1657 में छत्तीसगढ़ के नारायणपुर क्षेत्र में इसका संगठित स्वरूप सामने आया। हरियाणा के नारनौल में सतनामी विद्रोह की शुरूआत एक सतनामी व मुगल सैनिक अधिकारी के बीच विवाद को लेकर हुई। यह विवाद धीरे धीरे इतना बढ़ा कि सतनामियों ने मुगल सैनिकों को पराजित कर दिया। इतिहासकारों के अनुसार इस विद्रोह के दौरान लगभग 10 हजार सतनामियों ने मुगल सेना का सामना किया। यह संघर्ष भारत के इतिहास में नारनौल को विशेष पहचान दिलाने वाला माना जाता है। सतनामी समाज सत्य, समानता, सेवा व सामाजिक न्याय के मूल्यों में विश्वास रखता है और आज भी देशभर में सामाजिक व धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

---

**शैक्षिक संस्थानों में गतिविधियां**

महेंद्रगढ़। सम्मलेन में उपस्थित अभिभावक। फोटो: हरिभूमि

## राव सुल्तान स्कूल में पीटीएम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

राव सुल्तान सिंह स्कूल निम्बहेड़ा में अभिभावक-अध्यापक मिलन समारोह आयोजित किया। संस्था निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव, प्राचार्य राजकुमार शर्मा व प्राचार्य रामकुमार ने सभी अभिभावकों का स्वागत किया। एडवोकेट सतपाल यादव ने बताया कि समय के साथ बदलाव प्रकृति का नियम है। आज के समय में वहीं बच्चा सफल होता है, जिसके माता-पिता जागरूक होंगे। उन्होंने बताया कि आज के बच्चे किताबों से दूरी और मोबाइल से नजदीकी बढ़ाते जा रहे हैं। मेरा सभी अभिभावकों से आग्रह है कि वह यदि बच्चे का उज्जवल भविष्य चाहते हैं तो उन्हें मोबाइल से दूर रखें।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थी को सम्मनित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

## बीजेआरडी स्कूल में अध्यापक अभिभावक सम्मेलन आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

बीजेआरडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रविवार को अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया। इस दौरान डायरेक्टर राजपाल यादव और चेयरपर्सन शीला यादव उपस्थित रहीं। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास और अभिभावकों की सहभागिता को बढ़ावा देना था। सम्मेलन में विभिन्न शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक गतिविधियों पर चर्चा की गई, जिसमें विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति, परीक्षा परिणामों का विश्लेषण तथा भविष्य में सुधार के लिए योजना पर जोर दिया गया। सीईओ रमेश यादव ने विद्यालय के आगामी कार्यक्रमों और शिक्षण योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया।

---

### शरबती स्कूल में स्कॉलरशिप टेस्ट

**महेंद्रगढ़।** शरबती पब्लिक स्कूल द्वारा रविवार को दो केंद्र गांव मालड़ा तथा नांगल सिरोही में स्कॉलरशिप टेस्ट आयोजित किया गया। इस टेस्ट में बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। नांगल सिरोही केंद्र पर प्रिंसिपल विक्रम सिंह तथा बीएड प्रिंसिपल राजेश कुमार ने निरीक्षण किया। दोनों ने परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और सभी आवश्यक इंतजामों की सराहना की। वहीं मालड़ा केंद्र पर दीपक यादव ने निरीक्षण का दायित्व संभाला तथा पूरी व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाया। उन्होंने परीक्षा को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस स्कॉलरशिप टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों को फीस में विशेष छूट का लाभ मिलेगा। शरबती पब्लिक स्कूल क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और ऐसे आयोजन आगे भी जारी रहेंगे।

### श्रीकृष्ण स्कूल में पीटीएम आयोजित

**नारनौल।** श्रीकृष्ण सीनियर सेकेण्डरी स्कूल भुंगारका में रविवार को पेरेंट्स टीचर बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 1730 अभिभावकों ने अपने बच्चों के शैक्षणिक स्तर की जानकारी ली। स्कूल प्राचार्य वेदपाल यादव ने बताया कि अभिभावक व टीचर्स के आपस में विचार विमर्श का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि पीटीएम में जाने से अभिभावकों को अपने बच्चे की प्रगति की जानकारी मिलती है, जो उनके विकास के लिए बहुत जरूरी है। चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव ने अध्यापकों को बच्चों के साथ समान व्यवहार रखने का सुझाव दिया, जिससे बच्चों में आत्मविश्वास बना रहे। अभिभावकों ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि स्कूल बच्चों के शैक्षणिक व अन्य गतिविधियों के प्रति पूर्ण रूप से कार्य कर रहा है, जिससे बच्चों को एक समृद्ध और संतुलित शिक्षा मिल रही है।

### मॉडर्न स्कूल में अध्यापक अभिभावक सम्मेलन आयोजित

**महेंद्रगढ़।** मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में कुल 245 अभिभावकों ने उपस्थित होकर अपने बच्चों की प्रगति रिपोर्ट प्राप्त की। कार्यक्रम की अध्यक्षता चेयरमैन सतन सिंह व संचालन प्राचार्य प्रदीप कुमार तंवर ने किया। चेयरमैन सतन सिंह ने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब विद्यालय और अभिभावक मिलकर एक टीम के रूप में कार्य करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि बच्चों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन और आत्मविश्वास का विकास भी अत्यंत आवश्यक है। प्राचार्य प्रदीप कुमार तंवर ने बताया कि अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन शिक्षा व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

### वरिष्ठ शल्य चिकित्सक डॉ. दीपक सिंघल बने आईएमए के नए प्रधान

**नारनौल।** इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की बैठक में नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया, जिसमें वरिष्ठ शल्य चिकित्सक डॉ. दीपक सिंघल को आईएमए नारनौल का अध्यक्ष चुना गया। वहीं डॉ. सज्जन सिंह यादव को उपाध्यक्ष, डॉ. विदुषी शर्मा को सचिव तथा डॉ. लक्ष्मीनारायण को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक के दौरान वर्ष 2025 की प्रधान रही डॉ. अलका यादव ने विधिवत रूप से अपना कार्यभार नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को सौंपा। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने उनके कार्यकाल की सराहना की और संगठन के लिए किए गए प्रयासों को उल्लेखनीय बताया। इस मौके पर नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. दीपक सिंघल ने कहा कि आईएमए नारनौल के सभी सदस्य सतत चिकित्सीय शिक्षा, आधुनिक तकनीकी ज्ञान और गुणवत्ता में सुधार के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि वह संगठन से जुड़े सभी चिकित्सकों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आईएमए से जुड़े सभी डॉक्टर अपने मरीजों की सेवा पूरे समर्पण, संवेदनशीलता और नैतिकता के साथ करते रहेंगे। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दी।

### स्वयंसेवकों ने चलाया सफाई अभियान

**नारनौल।** पीएम श्री सेठ मुरलीधर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निवाजनगर में इंचार्ज कप्तान सिंह के नेतृत्व में सात दिवसीय एनएसएस शिविर के आयोजन की शुरूआत मुकेश कुमार डीपीई ने प्रार्थना सभा, एनएसएस गीत व योगासन सिंह से करवाई। एनएसएस वालंटियर ने स्कूल प्रांगण में सफाई का कार्य किया। शिविर में रिसोर्सपर्सन सुरेश कुमार व डॉ. हंसराज गुर्जर डीपीई राज्यपाल अवार्डी ने नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण, सभ्य नागरिक निर्माण, कर्तव्य परायणता, कठोर परिश्रम, दूर दृष्टिता, ईमानदारी व बड़ों के प्रति आदर भाव के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की। मंच संचालन दिनेश कुमार ने किया। इस मौके पर मुकेश कुमार वर्मा डीपीई, मधुबाला प्रवक्ता, कुमारी प्रियंका टीजीटी आर्ट, अलका सैनी, विनोद कुमार गोठवाल, महिपाल निखिल, विनोद कुमार आदि मौजूद रहे।

---

## हरियाणा स्कूल में दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल में सीबीएसई की ओर से शिक्षकों के लिए दो दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को नवीन शिक्षण विधियों से अवगत कराना तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना रहा। कार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण के साथ किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिन रिसोर्सपर्सन पूजा मित्तल व विकास शर्मा ने विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व कल्याण विषय पर जानकारी साझा की। कार्यशाला के दूसरे दिन रिसोर्सपर्सन आदित्य प्रताप सिंह व विकास शर्मा ने बताया कि आज की शिक्षा प्रणाली में रटने के बजाय समझ आधारित, अनुभवात्मक शिक्षा व तकनीक के समुचित प्रयोग पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। प्राचार्य सुनील यादव ने कहा कि इस प्रकार की प्रशिक्षण कार्यशालाएं शिक्षकों को नई सोच व नई दिशा प्रदान करती हैं। इस मौके पर संस्था के एमडी डॉ. हितेश वर्मा, निधि वर्मा, निदेशक पुष्करमल वर्मा व डीन मनोज भारद्वाज मौजूद रहे।

नारनौल। कार्यशाला में भाग लेने वाले शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

---

**धार्मिक** | रात्रि पौने 9 बजे होगा चंद्र दर्शन: ताराचंद जोशी

# श्रद्धा और उल्लास पूर्वक 6 जनवरी को मनाई जाएगी तिल कुटनी चौथ

सुबह आठ बजे चतुर्थी तिथि प्रारंभ होगी और सात जनवरी को सुबह करीब 6:52 बजे तक रहेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना।

प्रति वर्ष माघ मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को सकट चौथ यानी तिल कुटनी चौथ का व्रत पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ किया जाता है। इसे संकट चतुर्थी, तिलकुटा चौथ के नाम से भी जाना जाता है। ताराचंद जोशी बुहाना ने बताया कि इस दिन विशेष रूप से महिलाएं उपवास रखती है और भगवान गणेश की विधिविधान से पूजा अर्चना करती हैं। मान्यता है कि यह व्रत संतान के सुखद, सुरक्षित व उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत फलदायी होता है।

धार्मिक विश्वास के मुताबिक सकट चौथ का व्रत करने से संतान के जीवन में आने वाली बाधाएं और संकट दूर होते हैं। इस दिन गणपति बप्पा की कृपा से घर परिवार में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। व्रत के दौरान चंद्र दर्शन का विशेष महत्व होता है। चंद्र देखने के बाद ही व्रत पूर्ण माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार 2026 में छह जनवरी मंगलवार को तिलकुट का व्रत मनाया जाएगा। इस दौरान रात्रि को 8.50 बजे चंद्रोदय होगा। उन्होंने बताया कि यह दिन भगवान गणेश की विशेष कृपा प्राप्त करने के लिए शुभ माना गया है। छह जनवरी को सुबह आठ बजे चतुर्थी तिथि प्रारंभ होगी और सात जनवरी को सुबह करीब 6:52 बजे तक रहेगी। यह व्रत और पूजा करने से संतान सुख, सौभाग्य और परिवार में सुख शांति बनी जाती है।

### शुभ मुहूर्त व पूजा विधि

पंडित ताराचंद जोशी।

धार्मिक मान्यता है कि बिना चंद्र दर्शन के इस व्रत को पूर्ण नहीं माना जा सकता। पंचांग के अनुसार छह जनवरी को चंद्रमा का उदय रात लगभग पौने नौ बजे होगा। इस समय चंद्र देव को जल, दूध व अक्षत मिश्रित जल से अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद ही व्रती महिलाएं उपवास खोलती हैं। चंद्रमा को चंद्रमा को अर्घ्य देने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और संतान को भविष्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। सकट चौथ के दिन प्रातः काल स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण कर महिलाएं व्रत का संकल्प लें। पूजा स्थान को साफ करें और चौकी पर भगवान श्रीगणेश के प्रतिमा को स्थापित करें। मोदक के लड्डू या तिल गुड़ से बने प्रसाद का भोग लगाएं। सकट चौथ की व्रत कथा का श्रवण करें।

## सुबह और शाम के समय कोहरे से यातायात प्रभावित

# कड़ाके की ठंड ने बढ़ाई ठिठुरन दिनभर कंपकंपाते रहे लोग

रेवाड़ी। रविवार को सुबह के समय बाईपास पर छाया कोहरा तथा ठंड से बचाव के लिए अलाव तापते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

### रविवार को सुबह के समय हल्का कोहरा छंटने के बाद धूप ने कुछ समय दी राहत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

कड़ाके की ठंड ने लोगों की कंपकंपी छुड़ानी शुरू कर दी है। सुबह और शाम के समय कोहरे से यातायात प्रभावित हो रहा है। बारिश नहीं होने के कारण सूखी ठंड परेशान करने लगी है। रविवार को सुबह के समय बाहरी क्षेत्रों में कोहरे से जनजीवन प्रभावित रहा। रात व सुबह के समय शीतलहर चलने से ठिठुरन बढ़ गई। सुबह 8 बजे धूप निकलने के बाद कोहरा पूरी तरह साफ हो गया और धूप ने लोगों को कड़ाके की ठंड से राहत दी। रविवार को सुबह हल्के कोहरे के बाद धूप निकलने से मौसम साफ हो गया। अधिकतम तापमान 2 डिग्री बढ़कर 18.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। रात का तापमान 0.7 डिग्री की वृद्धि के साथ 4.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे सुबह के समय जल्द पाला जमने के संकेत मिल रहे हैं। गत वर्ष 4 जनवरी को अधिकतम तापमान 20.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 7.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के अनुसार कमजोर विक्षोभ की सक्रियता अगले कुछ दिनों में देखने को मिलेगी, जो ठंड का असर और बढ़ाएगी। पहाड़ी इलाकों में बर्फीली हवाएं चलने से रात का तापमान अभी और गिरने का अनुमान लगाया जा रहा है।

**सूखी सर्दी से पाला जमने की आशंका**

रात के तापमान में और गिरावट आने से तो सुबह के समय जल्द पाला जमना शुरू हो सकता है। इससे किसानों की परेशानी बढ़ जाएगी। सरसों की अगेती फसल में दाना बनना शुरू हो गया है। अगर पाला जमता है, तो इससे फसल का दाना खराब हो सकता है। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को ठंड बढ़ने पर गेहूं और सरसों की नियमित हल्की सिंचाई करने की सलाह दी है।

**धूप निकलने से रबी की फसलों को फायदा**

धूप रबी की फसलों पर रौनक लाने का काम कर रही है। सरसों और गेहूं की फसलों को फायदा होने लगा है। कृषि विशेषज्ञों के इन दिनों की हल्की बारिश सरसों व गेहूं की फसलों के लिए लाभकारी साबित होगी। लगातार कोहरा छाए रहने से फसलों के रोग लग सकता है, लेकिन धूप निकलने से फसलों का अच्छा विकास हो रहा है।

**आगामी दिनों में कोहरा कर सकता परेशान**

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार एनसीआर में घने कोहरे के साथ ठंड का लगातार असर देखने को मिल रहा है। उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने से रात का तापमान गिर सकता है। वहीं दिन के तापमान में मामूली वृद्धि देखने को मिल सकमी है।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते संस्था सदस्य। फोटो : हरिभूमि

# भारत के युवा नए-नए स्टार्टअप शुरू कर पूरे विश्व में बना रहे अपनी पहचानः विपिन

■ वर्तमान का भारत युवाओं की असीम ऊर्जा से भरा हुआ

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में जीवन में नई प्रेरणा लाने वाले कार्यक्रम नए दौर में लिखेंगे हम-मिलकर नई कहानी का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के जिला प्रधान विपिन ढींगरा, समाजसेवी कुलदीप सोनी, एचएमवीए के पूर्व जिला प्रधान रामरतन यादव व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि वर्तमान का भारत युवाओं की असीम ऊर्जा से भरा हुआ है। अमेरिका जैसे देश की कुल जनसंख्या से दुगुने युवा हमारे देश में है। आज युवाओं को सही दिशा दिखाने की आवश्यकता है। हरियाणा के एक गांव के युवा अंकित बैयानपुरियां ने निरंतर 75 दिनों तक प्रतिदिन 8 घंटे वर्क आउट कर कीर्तिमान बना दिया। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं उससे मिले व उसे युवाओं के लिए आदर्श बताया। भारत के युवा आज नए-नए स्टार्टअप शुरू करके पूरे विश्व में अपनी पहचान बना रहे हैं। संस्था के प्रधान अरुण गुप्ता, शिक्षाविद प्रो सीएल सोनी, डा. बलबीर अग्रवाल व विश्व हिंदू परिषद के भिवानी विभाग मंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि आज पूरे विश्व में बड़ी-बड़ी कंपनियों का नेतृत्व भारतीय युवाओं के हाथों में है। एप्पल के सीईओ सुंदर पिचाई को अपनी प्रेरणा मानकर देश के असंख्य युवा प्रगति की ओर अग्रसर हो रहें हैं। महिला प्रधान निशा सीकरी, शिक्षाविद मधु गुप्ता, प्रगतिशील ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष मेनका सोनी व पर्यावरण सेवी प्रीति कपूर ने कहा कि नवीन भारत के निर्माण में महिलाओं का विशेष योगदान है। हेल्थ एंड वैलनेस कोच डा. सपना यादव ने सभी को योगासन व प्राणायाम का अभ्यास कराया।

**सम्मानित किया**

उल्लेखनीय सेवाओं के लिए डा. नीरू वर्मा, आचार्य सत्यपाल शास्त्री, समाजसेवी राजेंद्र गेरा, सेवानिवृत्त पुलिस उपनिरीक्षक राजाराम, वक्ता पंकज सैनी ऊर्जा व सुनीता आर्य को सम्मानित किया गया। अतिथियों राधा-कृष्ण, गुरु नानक देव व प्राकृतिक दृश्यों के चित्र भेंट किए गए।

**ये रहे मौजूद**

कार्यक्रम में सुदर्शन मेहंदीरत्ता, राहुल कालड़ा, नयन शर्मा, पुरूषोत्तम नंदवानी, कपिल कपूर, ओजस्वी, पूर्वांशी, समाजसेवी प्रमोद सैनी, उर्मिला मेहंदीरत्ता, शिक्षाविद केएल कोहली, उमा रानी व लक्ष्मण दास सचदेवा सहित अनेक गणमान्य मौजूद थे।

रेवाड़ी। सांसद का जन्मदिन मनाते हुए कांग्रेसी कार्यकर्ता।

## दीपेंद्र हुड्डा का जीवन ईमानदारी, संघर्ष और जनसेवा का प्रतीकः रमेश

रेवाड़ी। रविवार के कांग्रेस के एससी डिपार्टमेंट कार्यालय में जिलाध्यक्ष रमेश ठेकेदार के नेतृत्व में कांग्रेस नेता व लोकसभा सांसद चौ. दीपेंद्र सिंह हुड्डा का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने केक काटकर सांसद के उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना की। इस मौके पर रमेश ठेकेदार ने कहा कि चौ. दीपेंद्र सिंह हुड्डा आज प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश की राजनीति में एक सशक्त, युवा और जनप्रिय नेता के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं। उन्होंने कहा कि दीपेंद्र हुड्डा ने हमेशा गरीब, दलित, पिछड़े और कमजोर वर्गों की आवाज को मजबूती से संसद में उठाया है और जनता के हितों के लिए निरंतर संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि दीपेंद्र सिंह हुड्डा युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं और उनका राजनीतिक जीवन ईमानदारी, संघर्ष और जनसेवा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को उनकी कार्यकुशलता से नई दिशा और मजबूती मिल रही है। आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी हरियाणा में और अधिक सशक्त होकर उभरेगी। प्रधान बीर सिंह चावरिया ने दीपेन्द्र हुड्डा के सामाजिक और राजनीतिक योगदान की सराहना की।

# गायकों ने 'बज्म ए रूह' की प्रस्तुति से बांधा समां

■ 'बज्म ए रूह' में देर रात तक भक्ति रस की धारा बहती रही

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

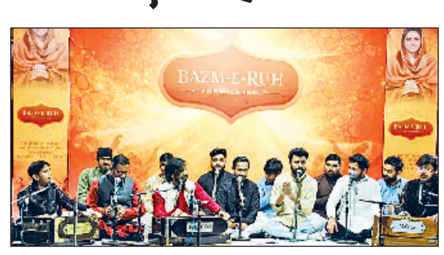

रेवाड़ी। महफिल में रुहानी संगीत की प्रस्तुति देते कलाकार तथा कार्यक्रम में मौजूद मिशन के सदस्य व अन्य। फोटो : हरिभूमि

'ये सब तुम्हारा कर्म है दात, के बात अब तक बनी हुई, तेरा इश्क नाचवे वे सजना, सानू ते नचना नी आंदा, तेरे प्यार विच होके कमली, मेनू नचना आ जावे' गीतों के जरिए सूफी संगीत की रूहानी महफिल सजी तो मिशन के श्रद्धालु अपने सतगुरु के प्रति शुक्राने के भाव से झूम उठे। नव वर्ष के अवसर पर शहर के निरंकारी सत्संग भवन में आयोजित रूहानी महफिल 'बज्म ए रूह' में देर रात तक भक्ति रस की धारा बहती रही। सूफियाना अंदाज में मिशन के कलाकारों ने रूहानी नगमों से श्रोताओं को भक्ति रस से सराबोर किया। दिल्ली, पलवल और अन्य स्थानों से आए मिशन के कलाकार महात्माओं ने सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के एकोब्रह्म और एकत्व के संदेश का बखूबी बखान किया। कलाकारों ने गीत संगीत के माध्यम से अध्यात्म, इंसानियत और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। सूफी संगीत की रूहानी महफिल में चमन सौदा की अगुवाई में दिल्ली से रितेश राव, कोटा से गिरीश कुमार, पलवल से मास्टर हर्षित, मास्टर यश, रेवाड़ी से महेश कुमार, विक्की, कार्तिक, मोहित, कर्ण प्रिय, महेश, राजा व नमन ने अपनी स्वरलहरियों से सभी को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने कहा कि मिशन का यही संदेश है कि तंग दायरों की तोड़ दीवार-असीम की ओर हो विस्तार है। इससे नाता जोड़कर ही जीवन में प्रेम बसाया जा सकता है।

**कार्यक्रम में साध-संगतें झूमती नजर आई**

रूहानी महफिल में कलाकारों ने भक्ति रस का ऐसा रंग जमाया कि साध-संगतें झूमती नजर आई। संत निरंकारी मिशन की जिला ब्रांच के संयोजक महात्मा हरीश कुमार ने कहा कि निरंकारी मिशन का एक ही उद्देश्य व नारा ब्रह्म की प्राप्ति, भ्रम की समाप्ति है। मिशन के सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के आशीर्वाद से इस उद्देश्य की पूर्ति में लगा है। उन्होंने कहा कि आज निरंकारी मिशन इंसान को परमात्मा का बोध करा कर प्रेम सिखा रहा है।

## न्यूज डायरी

### साइबर सिक्योरिटी के प्रति स्वयंसेवकों को किया जागरूक

कोसली। शहीद जीतराम राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाहड़ में चल रहे एनएसएस शिविर में रविवार को स्वयंसेवकों को डिजिटल व साइबर सिक्योरिटी के प्रति जागरूक किया गया। एनएसएस सहायक सोमवीर सिंह ने कहा कि अपने साथ अचानक हुए साइबर फ्रॉड से घबराना नहीं चाहिए। शांति और धैर्य रखते हुए घटना को जितना जल्दी हो सके, अपने परिजनों व परिचितों के साथ साझा करें। इससे होने वाली आर्थिक व मानसिक हानियों से बचा जा सकता है। प्रवक्ता प्रमोद कुमार ने बच्चों को करियर संबंधी जानकारी दी। इस अवसर पर अजय कुमार, सरोज, पूजा, सीमा, कुलदीप व राहुल उपस्थित थे।

### भारतीय सेना दुनिया का सबसे बड़ा मजबूत संगठन

जाटूसाना। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कंवाली में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के छठे दिन रिटायर्ड ब्रिगेडियर राजेंद्र यादव शिकोहपुर सेना मेडल व कर्नल जेएस यादव ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि एनएसएस और एनसीसी सेना की नर्सरी कहे जाते हैं, इससे निकलकर स्वयंसेवक राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति, टीमवर्क तथा अनुशासन से ओतप्रोत हो जाते हैं। उन्होंने बच्चों को सेना में भर्ती होकर देशसेवा करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कहा कि एक सैनिक कड़े अनुशासन से अलग तरह ही जीवन जीता है, यही कारण है कि भारतीय सेना दुनिया का सबसे बड़ा मजबूत संगठन है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने जो पिछले दिन वेनेजुएला में तख्ता पलट किया है। दुनिया की कोई शक्ति ऐसा भारत में नहीं कर सकती तो उसकी एक वजह हमारी बहादुर सेना है। इस अवसर पर विंग कमांडर सतीश यादव ने भी बच्चों को कठिन मेहनत तथा अनुशासन का परिचय देकर जीवन में आगे बढ़ने को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विद्यालय एनएसएस प्रभारी प्रदीप कुमार, राम सिंह, पिंकी, सोनू पीटीआई, उपनिषद, जीतू व रमेश देवी सहित सभी वॉलेंटियर्स उपस्थित थे।

### लायंस क्लब ने नए संकल्प के साथ मनाया नववर्ष

रेवाड़ी। लायंस क्लब की ओर से शनिवार रात्रि को उत्साह और धूमधाम के साथ नव वर्ष मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान लायंस क्लब की ओर से पूर्व में किए गए समाजसेवा से जुड़े विभिन्न प्रोजेक्ट्स पर चर्चा की गई तथा आगामी सामाजिक योजनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। क्लब के अध्यक्ष लायन ऋषि सिंहल ने बताया कि दिवंगत समाजसेवी लायन श्याम सुंदर सिंहल की 10वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 11 जनवरी को निःशुल्क मेडिकल एवं हेल्थ चेकअप कैंप आयोजित किया जाएगा। शिविर में जिले के प्रतिष्ठित डॉक्टर निःशुल्क परामर्श देंगे। स्वास्थ्य शिविर के चेयरमैन लायन डा. रिजुल सैनी व लायन रितेश भार्गव एडवोकेट होंगे। समारोह में लायनेस पूजा भार्गव, शेफाली गोयल, सीमा सिंहल, प्राची गुप्ता व पल्लवी अग्रवाल ने मजेदार व मनोरंजक खेल कराए। कार्यक्रम में सचिव लायन अभिषेक गुप्ता, कोषाध्यक्ष लायन दीपक अग्रवाल, लायन ओपी गुप्ता, लायन वीडी शर्मा एडवोकेट, लायन अशोक सोमानी, लायन बृजलाल गोयल, लायन अनिल भार्गव, लायन अनिल गोयल, लायन विपिन भार्गव,लायन सचिन गुप्ता, लायन राकेश गर्ग, लायन सतीश अग्रवाल, लायन अजय डाटा, लायन उमेश गुलाटी, डा. आदेश सक्सेना, लायन जितेश गोयल, लायन मोहित गोयल, संतोष गुप्ता, तृप्ति भार्गव, राजरानी गोयल, अनुराधा अग्रवाल, गीता गुलाटी, कल्पना अग्रवाल व मोनिका सिंहल मौजूद थे। क्लब के सभी सदस्यों ने समाजहित में निरंतर सेवा कार्य करने का संकल्प लिया।

# नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु, इससे रहें अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

रेवाड़ी। युवाओं को जागरूक करते हुए पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

पुलिस की नशा मुक्त टीम की ओर से रविवार को निरीक्षक रामपाल के नेतृत्व में गांव बेरली कलां, बेरली खुर्द व मुसेपुर में ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर पुलिस टीम ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। आप सभी विद्यार्थी देश का भविष्य है तथा पढ़ाई, खेल और अपने सपनों में ध्यान लगाकर नशे जैसी बुरी आदतों से हमेशा दूर रहे।

पुलिस टीम ने ग्रामीणों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत कराया तथा सड़क सुरक्षा के लिए यातायात के नियमों का पालन करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी जैसे ओटीपी व पासवर्ड आदि हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहना चाहिए और किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। साइबर ठगी होने पर साइबर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें।

### निःशुल्क कैंप में 97 मरीजों ने कराया हेल्थ चेकअप

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में 97 मरीजों को ओपीडी सेवाएं व दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में डा. तरुण यादव गुर्दा रोग विशेषज्ञ ने मेडिसन, डा. आत्मप्रकाश यादव ने हड्डीरोग, डा. गौरव यादव ने सर्जरी, डा. विदुला यादव ने नेत्ररोग, डा. अनिल यादव ने दंतरोग व डा. मनीष यादव ने ईएनटी के मरीजों को ओपीडी सेवाएं प्रदान की। इसके अलावा लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव ने फ्री फिजियोथेरेपी सेवाएं प्रदान की। कैंप के आयोजन में सभा के प्रधान रामबीर यादव, जसवंत सिंह, शशिभूषण, अमर सिंह, राम सिंह, प्रो. सतीश यादव, गोकल राम व अशोक ने सहयोग दिया।

### चेयरपर्सन रेनू भाटिया आज करेंगी जनसुनवाई

रेवाड़ी। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया 5 जनवरी को जिले में शिकायतों की सुनवाई करेंगी। प्रवक्ता ने बताया कि चेयरपर्सन भाटिया सोमवार दोपहर 12 बजे लघु सचिवालय सभागार में शिकायतों की सुनवाई करेंगी। इसके अलावा शाम साढ़े चार बजे पर लोक निर्माण विश्राम गृह में जिला परिषद के चेयरमैन व सदस्यों के साथ बातचीत करेंगी। इसी दिन शाम 5:30 बजे रेवाड़ी जिम का दौरा भी करेंगी। प्रवक्ता ने बताया कि चेयरपर्सन 6 जनवरी को प्रातः 11 बजे वन स्टॉप सेंटर कर दौरा कर, वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लेंगी। दोपहर 12:30 बजे जिला जेल तथा दोपहर 3 बजे महिला थाने का निरीक्षण करेंगी।

**समारोह** माता सावित्रीबाई फुले शीर्षक पर गरिमामयी व प्रेरणादायी समारोह का आयोजन

# सावित्रीबाई फुले का जीवन संघर्ष, साहस और शिक्षा के प्रति समर्पण व समाज के लिए पथ : प्रदर्शकः तंवर

■ सावित्रीबाई फूले ने नारी शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन की सबसे सशक्त कुंजी बताया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद अतिथि व आयोजक। फोटो : हरिभूमि

भारत की प्रथम महिला शिक्षिका व नारी सशक्तिकरण की अग्रदूत सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर नारी चेतना की मशालः माता सावित्रीबाई फुले शीर्षक पर गरिमामयी व प्रेरणादायी समारोह का आयोजन किया गया। सेवास्तंभ के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष व जिला अध्यक्ष भगतसिंह बौद्ध, राजपाल सिंह, पूर्व हजरस प्रधान, सूबे सिंह रेवाड़ियि व रामनिवास गोठवाल के संयोजन में महिलाओं को समर्पित कार्यक्रम डा. भीमराव अंबेडकर पार्क एवं लाइब्रेरी मॉडल टाउन में सुमित्रा गोठवाल संस्कृत अध्यापिका की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सरपंच व राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित रोशनी देवी तथा मुख्य वक्ता व मंच संचालक के रूप में राजबाला तंवर सेवानिवृत्त प्राध्यापिका रहीं। राजबाला तंवर ले कहा कि माता सावित्रीबाई फुले का जीवन संघर्ष, साहस और शिक्षा के प्रति समर्पण आज भी समाज के लिए पथ-प्रदर्शक है। उन्होंने नारी शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन की सबसे सशक्त कुंजी बताया। विशिष्ट अतिथि के रूप में रेणुबाला सरपंच प्राणपुरा-गोपालपुरा, बबीता सरपंच इब्राहिमपुर, रेणु पथरवा जिलाध्यक्ष महेन्द्रगढ़ आवाज फाउंडेशन हरियाणा, आशा बोद्ध प्रदेश महिला उपाध्यक्ष, भारतीय बोद्ध महासभा मुम्बई, केला देवी कोर्डिनेटर सेवा संस्था नारनौल व भानी देवी सेवानिवृत्त सुपरिटेंडेंट उपस्थित थी। वक्ताओं ने सावित्रीबाई फुले के जीवन संघर्ष, महिला शिक्षा, सामाजिक न्याय, समानता एवं संविधान के मूल्यों पर प्रकाश डाला।

**ये रहे कार्यक्रम में मौजूद**

कार्यक्रम में रामचंद्र रंगा, मेजर सूबेदार सत्य नारायण, होशियार अहरोदिया, रविदत्त, सुखराम, तेजपाल रंगा, नरेंद्र मेहरा, सतबीर गोठवाल, हरिसिंह, रमेश ठेकेदार, भीमसिंह, हरेश पंवार, सरोज देवी, वीना देवी, रेशम सांभरिया, रिया सिंह, वीना रेवाड़ियां, सरस्वती, सतबीर सैनी व लक्ष्मी सैनी सहित अनेक प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे। सेवा स्तंभ जिला इकाई ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।